रणजीत टाइम्स

इंदौर

शुक्रवार, 12 जून, 2026

वर्ष 02 | अंक 142 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच

विकसित भारत का संकल्प, युवाशक्ति पर पीएम मोदी का सबसे बड़ा भरोसा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की 11वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि दुनिया के कई देशों के सामने आर्थिक, राजनीतिक और भू-राजनीतिक चुनौतियां खड़ी हैं, लेकिन भारत आत्मविश्वास, स्थिरता और स्पष्ट लक्ष्य के साथ विकास की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना केवल केंद्र सरकार का नहीं, बल्कि सभी राज्यों और देशवासियों का साझा संकल्प है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए केंद्र और राज्यों को मिलकर काम करना होगा। प्रधानमंत्री ने विशेष रूप से युवाओं की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि भारत आज दुनिया की सबसे युवा आबादी वाला देश है और यह अवसर आने वाले दशकों में देश की दिशा तय करेगा। उन्होंने कहा कि युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक कौशल और रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पीएम मोदी ने कहा कि बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था के अनुरूप युवाओं को तैयार करना आवश्यक है, ताकि वे देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें। उन्होंने विश्वास जताया कि युवाशक्ति, नवाचार और राज्यों के सहयोग से भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा।

महाराष्ट्र की राजनीति में फिर हलचल, क्या शिंदे खेमे में जाएंगे उद्धव गुट के 7 सांसद?

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर बड़े राजनीतिक घटनाक्रम की चर्चा तेज हो गई है। अटकलें लगाई जा रही हैं कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के सात सांसद एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट के संपर्क में हैं।

हाल के दिनों में कुछ सांसदों की शिंदे खेमे से मुलाकातों की खबरों ने इन चर्चाओं को और बल दिया है। रिपोर्टों के अनुसार, दिल्ली और महाराष्ट्र में हुई कुछ बैठकों के बाद यह संभावना जताई जा रही है कि उद्धव गुट के कई सांसद भविष्य की राजनीतिक रणनीति को लेकर नए विकल्प तलाश रहे हैं। हालांकि अब तक किसी सांसद ने सार्वजनिक रूप से दल बदलने की पुष्टि नहीं की है। इससे पहले भी अप्रैल 2026 में "ऑपरेशन टाइगर" की चर्चा के दौरान दावा किया गया था कि उद्धव गुट के कई सांसद शिंदे के संपर्क में हैं। उस समय शिंदे और उनके पुत्र श्रीकांत शिंदे ने ऐसे किसी अभियान से इनकार किया था, जबकि शिंदे समर्थक नेताओं ने असंतोष की बात स्वीकार की थी।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि उद्धव गुट के सात सांसद वास्तव में शिंदे खेमे में जाते हैं, तो यह 2022 में शिवसेना विभाजन के बाद ठाकरे गुट के लिए सबसे बड़ा झटका साबित हो सकता है। वहीं महायुति की संसदीय ताकत और बढ़ जाएगी। फिलहाल पूरी स्थिति अटकलों और राजनीतिक चर्चाओं के स्तर पर है। न तो उद्धव ठाकरे गुट और न ही शिंदे गुट की ओर से किसी बड़े सामूहिक दल-बदल की आधिकारिक घोषणा की गई है। आने वाले दिनों में सांसदों की गतिविधियों और पार्टी नेतृत्व की प्रतिक्रियाओं पर सभी की नजरें टिकी रहेंगी।

पीओके में बढ़ता जनाक्रोश, पाकिस्तान की दमनकारी नीतियों ने खोली मानवाधिकारों की हकीकत

नई दिल्ली। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओके) में हाल के दिनों में बढ़ता जनाक्रोश और वहां की जनता पर पाकिस्तानी सेना तथा प्रशासन द्वारा किए जा रहे दमन ने एक बार फिर इस क्षेत्र की वास्तविक स्थिति को दुनिया के सामने ला दिया है। लंबे समय से आर्थिक संकट, महंगाई, बेरोजगारी और बुनियादी सुविधाओं की कमी से जूझ रहे लोगों का धैर्य अब जवाब देने लगा है। विरोध प्रदर्शनों को दबाने के लिए जिस तरह बल प्रयोग किया जा रहा है, उसने पाकिस्तान के मानवाधिकारों और लोकतंत्र संबंधी दावों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

रिपोर्टों के अनुसार हाल के विरोध प्रदर्शनों के दौरान पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की कार्रवाई में कई लोगों की जान गई है, जबकि बड़ी संख्या में लोग घायल हुए हैं। इसके अलावा अनेक प्रदर्शनकारियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उनकी आवाज को दबाने के लिए बल प्रयोग, गिरफ्तारी और डराने-धमकाने की नीति अपनाई जा रही है। हालांकि इसके बावजूद क्षेत्र में असंतोष कम होने के बजाय लगातार बढ़ रहा है।

विश्लेषकों का मानना है कि इस जनाक्रोश की जड़ें केवल वर्तमान घटनाओं में नहीं, बल्कि वर्षों से चली आ रही उपेक्षा और वादाखिलाफी में छिपी हुई हैं। पिछले वर्षों में पाकिस्तान सरकार ने क्षेत्र के लोगों को राहत देने, महंगाई नियंत्रित करने, रोजगार के अवसर बढ़ाने और बुनियादी सुविधाओं में सुधार के कई आश्वासन दिए थे। स्थानीय संगठनों का आरोप है कि इनमें से अधिकांश वादे कागजों तक ही सीमित रहे और जमीनी स्तर पर लोगों को कोई ठोस लाभ नहीं मिला। पीओके के नागरिक लंबे समय से बिजली, पानी, स्वास्थ्य सेवाओं और शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं की कमी का सामना कर रहे हैं। विडंबना यह है कि प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध इस क्षेत्र के लोगों को विकास का लाभ नहीं मिल पा रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उनके क्षेत्र के संसाधनों का उपयोग तो किया जाता है, लेकिन विकास कार्यों और जनकल्याण योजनाओं में उनकी उपेक्षा की जाती है। यही कारण है कि समय-समय पर वहां विरोध प्रदर्शन और आंदोलन देखने को मिलते रहे हैं। यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान के कब्जे वाले इस क्षेत्र में लोगों ने प्रशासन के खिलाफ आवाज उठाई हो। इससे पहले भी कई बार महंगाई, करों में वृद्धि, बिजली संकट और राजनीतिक अधिकारों की मांग को लेकर बड़े आंदोलन हुए हैं। हर बार इन आंदोलनों को बल प्रयोग के माध्यम से नियंत्रित करने का प्रयास किया गया, लेकिन इससे जनता के असंतोष में और वृद्धि हुई। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि उन्हें लोकतांत्रिक अधिकारों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से वंचित रखा जा रहा है। भारत लंबे समय से यह कहता रहा है कि पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में रहने वाले लोगों को उनके मूल अधिकार नहीं मिल रहे हैं। हाल के घटनाक्रम के बाद भारत ने इस मुद्दे पर चिंता व्यक्त की है और क्षेत्र में मानवाधिकारों के कथित उल्लंघनों को गंभीरता से उठाया है। भारतीय दृष्टिकोण यह रहा है कि यह क्षेत्र कानूनी और ऐतिहासिक रूप से भारत का अभिन्न हिस्सा है तथा पाकिस्तान वहां अवैध कब्जा बनाए हुए है।

विशेषज्ञों का मानना है कि पीओके में बढ़ते असंतोष ने पाकिस्तान की प्रशासनिक और राजनीतिक नीतियों की सीमाओं को उजागर कर दिया है। एक ओर पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कश्मीर मुद्दे को उठाने का प्रयास करता है, वहीं दूसरी ओर उसके नियंत्रण वाले क्षेत्र में रहने वाले लोगों की समस्याओं को लेकर लगातार शिकायतें सामने आती रही हैं। इससे पाकिस्तान की नीतियों की विश्वसनीयता पर भी प्रश्न उठते हैं। मानवाधिकार संगठनों और अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों का कहना है कि किसी भी क्षेत्र में शांति और स्थिरता केवल बल प्रयोग से कायम नहीं रखी जा सकती। इसके लिए जनता की समस्याओं का समाधान, लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा और विकास योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन आवश्यक होता है। यदि लोगों को उनकी बुनियादी जरूरतें और अधिकार नहीं मिलते, तो असंतोष का बढ़ना स्वाभाविक है।

इस बीच कुछ अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक हस्तियों और संगठनों ने भी पीओके की स्थिति पर चिंता जताई है। हालांकि वैश्विक स्तर पर इस मुद्दे को लेकर अपेक्षित सक्रियता नहीं देखी गई है।

TMC में बढ़ी बेचैनी!

ममता के करीबी सितारों की दूरी ने बढ़ाई सियासी चिंता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में तृणमूल कांग्रेस के भीतर बदलाव की आहट तेज होती दिखाई दे रही है। पार्टी की पहचान बने कई चर्चित चेहरे और फिल्मी हस्तियां, जो कभी मुख्यमंत्री की सबसे करीबी मानी जाती थीं, अब अलग राह पकड़ती नजर आ रही हैं।

इससे पार्टी के भीतर भविष्य की रणनीति और नेतृत्व को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। तृणमूल कांग्रेस ने पिछले वर्षों में राजनीति और मनोरंजन जगत का अनूठा मेल देखने को दिया था। कई लोकप्रिय कलाकारों और अभिनेताओं को पार्टी ने चुनावी मैदान में उतारा और उन्हें बड़ी जिम्मेदारियां सौंपीं।

इनमें , , और जैसे नाम प्रमुख रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि फिल्मी हस्तियों का राजनीति में प्रवेश अक्सर लोकप्रियता और जनसंपर्क के आधार पर होता है, लेकिन बदलते राजनीतिक समीकरणों के साथ उनकी प्राथमिकताएं भी बदल सकती हैं। ऐसे में किसी भी दल के लिए इन चेहरों को लंबे समय तक संगठन से जोड़े रखना चुनौती बन जाता है। हाल के घटनाक्रमों ने यह संकेत दिया है कि पार्टी के कुछ चर्चित चेहरे पहले जैसी सक्रियता नहीं दिखा रहे हैं। इससे विपक्ष को भी तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधने का मौका मिला है। विपक्षी दल आरोप लगा रहे हैं कि सत्ता और राजनीतिक प्रभाव कम होने पर कई नेता और समर्थक दूरी बनाने लगते हैं, हालांकि तृणमूल कांग्रेस इन दावों को खारिज करती रही है।

राजनीतिक जानकारों के मुताबिक,

पश्चिम बंगाल की राजनीति में व्यक्तित्व आधारित नेतृत्व हमेशा महत्वपूर्ण रहा है। ऐसे में यदि पार्टी के लोकप्रिय चेहरे अलग रुख अपनाते हैं तो उसका असर संगठनात्मक मजबूती और जनधारणा दोनों पर पड़ सकता है। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि तृणमूल कांग्रेस अपने पुराने सहयोगियों और चर्चित चेहरों को फिर से सक्रिय भूमिका में ला पाती है या बंगाल की राजनीति में नए समीकरण उभरते हैं।

घातक संक्रमण की दस्तक से बढ़ी चिंता

निपाह के मामले के बाद

सरकार सतर्क, आपात समीक्षा शुरू

नई दिल्ली। देश में के एक मामले की पुष्टि होने के बाद स्वास्थ्य तंत्र अलर्ट मोड पर आ गया है। संक्रमण के संभावित प्रसार को रोकने और स्थिति की समीक्षा के लिए स्वास्थ्य विभाग ने निगरानी बढ़ा दी है, जबकि स्वास्थ्य मंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों और विशेषज्ञों के साथ उच्च स्तरीय बैठक बुलाई है। बैठक में संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आए लोगों की पहचान, आइसोलेशन व्यवस्था, अस्पतालों की तैयारी और जांच सुविधाओं की उपलब्धता पर विस्तृत चर्चा की गई। स्वास्थ्य अधिकारियों को सतर्कता बढ़ाने और प्रभावित क्षेत्र में विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार निपाह वायरस एक गंभीर संक्रामक बीमारी है, जो संक्रमित जानवरों या संक्रमित व्यक्ति के संपर्क से फैल सकती है। इसके लक्षणों में तेज बुखार, सिरदर्द, सांस संबंधी परेशानी और गंभीर मामलों में मस्तिष्क संक्रमण शामिल हो सकते हैं। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और किसी भी संदिग्ध लक्षण की स्थिति में तुरंत चिकित्सकीय सलाह लेने की अपील की है। साथ ही अस्पतालों को आवश्यक दवाओं, सुरक्षा उपकरणों और आइसोलेशन सुविधाओं के साथ तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार का कहना है कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि समय पर पहचान, संपर्क ट्रेसिंग और सतर्कता से किसी भी संभावित खतरे को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जा सकता है।

होर्मुज से दुखद खबर

हमले में तीन भारतीय नाविकों की मौत की आशंका, भारत ने जताई कड़ी आपत्ति

नई दिल्ली/मस्कट। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के पास ओमान तट पर वाणिज्यिक पोत 'एमटी सेट्टेबेलो' (MT Settebello) पर हुए हमले के बाद भारतीय नाविकों को लेकर चिंताजनक खबर सामने आई है। शुरुआती सरकारी जानकारी में तीन भारतीय नाविक लापता बताए गए थे, लेकिन अब नाविक संगठनों और मीडिया रिपोर्टों के अनुसार दो भारतीय नाविकों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि एक मुख्य अभियंता (चीफ इंजीनियर) अब भी लापता है। कुछ रिपोर्टों में तीनों के मारे जाने की आशंका भी जताई जा रही है। भारतीय विदेश मंत्रालय (MEA) ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए बताया कि जहाज पर सवार 24 भारतीयों में से 21 को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि लापता नाविकों की तलाश के लिए ओमान की एजेंसियों के साथ लगातार समन्वय किया जा रहा है।

घटना के बाद भारत सरकार ने अमेरिकी दूतावास के वरिष्ठ राजनयिक को तलब कर अपना विरोध दर्ज कराया। रिपोर्टों के अनुसार जहाज पर कथित अमेरिकी सैन्य कार्रवाई को लेकर नई दिल्ली ने गंभीर चिंता व्यक्त की है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है और हाल के महीनों में क्षेत्रीय तनाव के कारण यहां जहाजों पर हमलों की घटनाएं बढ़ी हैं। भारत ने सभी पक्षों से तनाव कम करने और अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में सुरक्षित एवं निर्बाध नौवहन सुनिश्चित करने की अपील की है। महत्वपूर्णः आधिकारिक स्तर पर विदेश मंत्रालय ने अभी तक तीन भारतीयों की मौत की पुष्टि नहीं की है। सरकारी बयान के अनुसार वे पहले "लापता" थे, जबकि बाद की रिपोर्टों में दो मौतें और एक व्यक्ति के लापता होने की जानकारी सामने आई है।

रणजीत टाइम्स

भाजपा सरकार के दबाव एवं सुनियोजित षड्यंत्र के तहत कांग्रेस की राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन जी का नामांकन ख़ारिज करने के विरोध में महू में धरना प्रदर्शन

महू-इंदौर- जिला कांग्रेस प्रवक्ता जुगनू जादवसिंह धनावत ने बताया कांग्रेस की राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किए जाने के विरोध में महू कोतवाली चौक महात्मा गांधी जी के प्रतिमा के नीचे में कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन एवं उपवास कार्यक्रम आयोजित किया।

इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने भाजपा सरकार एवं निर्वाचन प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाते हुए इसे लोकतंत्र और संविधान पर हमला बताया। कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कहा कि भाजपा सरकार के दबाव एवं सुनियोजित षड्यंत्र के तहत कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन खारिज किया गया है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई विपक्ष की आवाज को दबाने और लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने का प्रयास है।

धरना-प्रदर्शन के दौरान संविधान रचियता बाबासाहेब डॉ भीमराव अंबेडकर जी की तस्वीर कार्यकर्ताओं ने हाथ में लेकर संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया। कांग्रेसजनों ने कहा कि भारतीय संविधान की भावना के साथ खिलवाड़ किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा पार्टी लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर आवाज उठाती रहेगी। एक दिवसीय उपवास में बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं समर्थक शामिल हुए। कार्यक्रम के अंत में लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए एकजुट होकर संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से मुख्य रूप से वरिष्ठ कांग्रेस नेता योगेश यादव,कैलाशदत्त पांडे, हरिराम चौहान, विजय नौलखा, जुगनू जादवसिंह धनावत,शक्तिसिंह गोयल, विजेंद्रसिंह चौहान, मोहन अग्रवाल, विष्णु मालवीय, पप्पू खान, पुनीत शर्मा,राजकुमार बागड़ी, लियाकत पठान,नरेश जोशी, मुन्नालाल वर्मा, अजय वर्मा, आनंद गोगलिया, मुस्ताक खान, नारायण पटेल, चूड़िहार साहब, कमल कैथवास, ओम पटेल, महेश निनामा, आसाराम बारूड़, प्रवीण पाटिल, प्रीतम वर्मा, प्रेम चौहान, संतोष अग्रवाल, मुकेश दुबे, गोविंद टेलर, धर्मेंद्र चौहान, सुरेंद्र श्रीवास्तव, रवीश जादम,अरुण गुर्जर,शुभम जैन,भैरू गुर्जर,इत्यादि सैकड़ो कांग्रेस जन उपस्थित रहे। साथ ही महात्मा गांधी जी के भजन भी गाए रघुपति राघव राजा राम पतित पावन सीताराम, ए मालिक तेरे बंदे हम।

इंदौर-अहमदाबद हाईवे पर प्रशासन का सख्त एक्शनः फूलमाल में हटा 13 दुकानों का अतिक्रमण

सलीम हुसैन

पश्चिम मध्य प्रदेश के आदिवासी बाहुल्य झाबुआ जिले में झाबुआ शहर से 5 किलोमीटर दूर नेशनल हाईवे इंदौर-अहमदाबाद पर स्थित 'ब्लैक स्पॉट' घोषित होने के एवं एक्सीडेंट की मात्रा को देखते हुए फूलमाल में प्रशासन ने आज अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। तहसीलदार सुनील डावर के नेतृत्व में राजस्व, पुलिस, वन विभाग और NHAI की संयुक्त टीम ने बुलडोजर चलाकर सड़क किनारे बनी 13 अवैध दुकानों को ढहा दिया। गौरतलब है कि 29 मई को कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में इन अतिक्रमणों को तत्काल हटाने के निर्देश दिए थे। प्रशासन ने पूर्व में नोटिस जारी कर स्वेच्छा से जगह खाली करने को कहा था, लेकिन आदेशों की अनदेखी के बाद आज सख्ती की गई। साथ ही, तेज रफ्तार वाहनों पर अंकुश लगाने के लिए जल्द ही रम्बल स्ट्रिप भी लगाई जाएगी।

रिलीज से एक दिन पहले इंदौर में 'Governor' की स्पेशल स्क्रीनिंग; मेकर्स के जबरदस्त कॉन्फिडेंस को मीडिया और समीक्षकों ने सराहा

सह संपादक अनिल चौधरी

इंदौर। भारतीय सिनेमा की सबसे बहुप्रतीक्षित पॉलिटिकल-इकोनॉमिक थ्रिलर फिल्म Governor अपनी भव्य रिलीज से ठीक एक दिन पहले सुर्खियों में है। मेकर्स ने फिल्म को लेकर अपने अटूट विश्वास का प्रदर्शन करते हुए आज इंदौर के एक प्रतिष्ठित मल्टीप्लेक्स में मीडिया, फिल्म समीक्षकों और शहर के प्रमुख इन्फ्लुएंसर्स के लिए एक 'स्पेशल प्रिव्यू स्क्रीनिंग' का आयोजन किया। आमतौर पर बॉलीवुड में फिल्म की कमियों को छुपाने या खराब रिव्यूज से बचने के लिए रिलीज के दिन तक सस्पेंस रखा जाता है, लेकिन रिलीज से पूरे 24 घंटे पहले इंदौर जैसे बड़े मार्केट में स्क्रीनिंग रखना मेकर्स के उस सॉलिड कॉन्फिडेंस को दर्शाता है, जो उन्हें अपनी स्क्रिप्ट और कंटेंट पर है।

सच्ची घटना और दमदार अभिनय का बेजोड़ संगम

यह फिल्म 1990 के दशक में भारत पर आए उस ऐतिहासिक आर्थिक संकट (Economic Crisis) की कहानी को पर्दे पर लाती है, जब देश का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग खत्म हो चुका था। फिल्म में राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता *मनोज बाजपेयी ने 'रमन' नामक एक ऐसे दूरदर्शी ब्यूरोक्रेट का किरदार निभाया है, जिसने पर्दे के पीछे रहकर देश को वित्तीय दिवालियेपन से बचाया था।

मेकर्स का मास्टरस्ट्रोक

इंदौर की मीडिया और क्रिटिक्स के सामने फिल्म को पहले पेश करना मेकर्स की एक सोची-समझी रणनीति है। स्क्रीनिंग से आ रहे शुरुआती रुझान बेहद सकारात्मक हैं, जो फिल्म के लिए एक मजबूत 'वर्ड ऑफ माउथ' तैयार कर रहे हैं।

मनोज बाजपेयी का एक और मास्टरक्लासः

स्क्रीनिंग से बाहर आए समीक्षकों ने मनोज बाजपेयी के अभिनय को उनके करियर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनों में से एक बताया है। उनके चेहरे के भाव और गंभीर डायलॉग डिलीवरी ने दर्शकों को बांधे रखा।

इंदौर से मिला शानदार रिस्पॉन्सः'मिनी मुंबई' कहे जाने वाले इंदौर की जनता और मीडिया अपने बेबाक रिव्यूज के लिए जानी जाती है। स्क्रीनिंग के दौरान थिएटर में कई मौकों पर तालियों की गड़गड़ाहट सुनाई दी, जो इस बात का सबूत है कि फिल्म दर्शकों के दिलों को छूने में कामयाब रही है।

सहजयोग : शांति एवं आनंद का वास्तविक व स्थायी स्रोत

आप अपने लिये आनन्द खोज रहे हैं, अपनी ही सम्पदा को खोज रहे हैं, आपकी अपनी ही छिपी हुई सम्पदा को आप युगों से खोज रहे हैं। इसी सम्पदा को मुझे आपके सामने अनावृत करना है। (प.पू. श्री माताजी, 18.11.1979) सहजयोग एक ऐसी आध्यात्मिक साधना है जो मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप से परिचित कराती है और आंतरिक शांति, आनंद तथा संतुलन का अनुभव प्रदान करती है। मानव जीवन की प्रत्येक खोज के पीछे आनंद की तलाश छिपी होती है। व्यक्ति धन, पद, प्रतिष्ठा, ज्ञान या भौतिक सुखों में संतोष खोजता है, परंतु उसे स्थायी आनंद प्राप्त नहीं होता। जब वह बाहरी संसार में भटककर थक जाता है, तब उसका ध्यान अध्यात्म की ओर जाता है। सहजयोग यही समझाता है कि जिस आनंद की खोज मनुष्य बाहर कर रहा है, वह वास्तव में उसके भीतर ही विद्यमान है। मनुष्य अपने वास्तविक स्वभाव, अपने प्रेम, सौंदर्य और आत्मिक शक्ति से अपरिचित होने के कारण बाहरी वस्तुओं में सुख ढूँढ़ता रहता है। सहजयोग के माध्यम से आत्मसाक्षात्कार प्राप्त कर व्यक्ति अपने भीतर स्थित उस दिव्य चेतना को अनुभव कर सकता है, जो शांति और आनंद का असीम स्रोत है। यह मार्ग किसी जटिल तपस्या या कठिन साधना पर आधारित नहीं है, बल्कि सहज और स्वाभाविक रूप से आत्मज्ञान प्राप्त करने की प्रक्रिया है। सहजयोग हमें सिखाता है कि परमात्मा का अनुभव केवल विचारों, तर्कों या पुस्तकों से नहीं, बल्कि अपने भीतर की चेतना को जागृत करके किया जा सकता है। जब कुंडलिनी शक्ति जागृत होती है, तब व्यक्ति अपने अस्तित्व की गरिमा, शांति और प्रेम का प्रत्यक्ष अनुभव करता है। इस प्रकार सहजयोग बाहरी खोजों से भीतर की यात्रा की ओर ले जाकर मनुष्य को स्थायी आनंद, मानसिक संतुलन और आध्यात्मिक उत्कर्ष प्रदान करता है।

सहजयोग हमें स्वयं से जुड़ने, विचारों के भ्रम से ऊपर उठने और परमात्मा की सर्वव्यापी शक्ति का प्रत्यक्ष अनुभव करने का सरल मार्ग प्रदान करता है। यह केवल एक ध्यान पद्धति नहीं, बल्कि आत्म-जागरण और आत्म-परिवर्तन की प्रक्रिया है, जो व्यक्ति के जीवन में संतुलन, करुणा, संतोष और आध्यात्मिक उन्नति लाती है। इसलिए सहजयोग आधुनिक जीवन की अशांति और तनाव के बीच एक ऐसा प्रकाशस्तंभ है, जो मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप का बोध कराकर स्थायी आनंद और आंतरिक स्वतंत्रता की ओर अग्रसर करता है। ध्यान की इस वैज्ञानिक एवं पूर्णतः निःशुल्क पद्धति की अधिक जानकारी हेतु हेल्पलाइन नंबर 18002700800 अथवा www.sahajayoga.org.in पर संपर्क करें।

अंतरराष्ट्रीय जिझौतिया ब्राह्मण महासंघ इंदौर को मिला नया नेतृत्व

अनिल वाजपेयी बने जिलाध्यक्ष, शुभम शर्मा युवाशक्ति अध्यक्ष के रूप में करेंगे कार्य

इंदौर। अंतरराष्ट्रीय जिझौतिया ब्राह्मण महासंघ द्वारा संगठन के विस्तार एवं समाजहित में कार्यों को गति प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित मैराथन बैठकों के पश्चात महत्वपूर्ण संगठनात्मक नियुक्तियों की घोषणा की गई। महासंघ ने युवा एवं सक्रिय समाजसेवी श्री अनिल वाजपेयी को इंदौर जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है। श्री वाजपेयी लंबे समय से सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रहे हैं तथा समाज के विभिन्न वर्गों के बीच समन्वय स्थापित करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। महासंघ के पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में संगठन इंदौर जिले में और अधिक मजबूत होगा तथा समाजहित के कार्यों को नई दिशा मिलेगी।

वहीं श्री शुभम शर्मा पूर्ववत युवाशक्ति इकाई अध्यक्ष के दायित्व का निर्वहन करते रहेंगे। संगठन द्वारा युवाओं को जोड़ने एवं सामाजिक गतिविधियों में उनकी सहभागिता बढ़ाने के लिए विशेष अभियान भी चलाए जाएंगे। संगठन ने बताया कि इंदौर इकाई के लिए एक सक्षम संयोजक की घोषणा भी शीघ्र की जाएगी, जो संगठन की विभिन्न इकाइयों के बीच समन्वय स्थापित करेगा। महासंघ के पदाधिकारियों ने सभी समाजबंधुओं से संगठन को मजबूत बनाने एवं समाजोत्थान के कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया।

करेरा में भावभीनी विदाई समारोहः आईपीएस डॉ. आयुष जाखड़ को दी गई सम्मानपूर्ण विदाई

हेमंत भार्गव

करेरा। करेरा में पदस्थ एसडीओपी आईपीएस अधिकारी डॉ. आयुष जाखड़ के पदोन्नति उपरांत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एडिशनल एसपी) जबलपुर के पद पर नियुक्त होने पर करेरा स्थित रामराज गार्डन में भव्य एवं भावुक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुलिस विभाग, प्रशासनिक अधिकारियों, स्थानीय पत्रकारों एवं गणमान्य नागरिकों ने उन्हें भावभीनी विदाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम में एसडीएम अनुराग निंगवाल, एसडीओपी पिछोर प्रशांत शर्मा, तहसीलदार ललित शर्मा, जनपद सीईओ हेमंत सूत्रकार, वन परिक्षेत्र अधिकारी एल.एस. मीणा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी गोपाल गुप्ता, बीएमओ डॉ. एन एस कुशवाह, नगर निरीक्षक करेरा विनोद सिंह छावई, नगर निरीक्षक नरवर विनय यादव, दिनारा थाना प्रभारी रविंद्र सिंह कुशवाह,

अमोला थाना प्रभारी अंशुल गुप्ता, सीहोर थाना प्रभारी जूली तोमर, सुरवाया से विनोद छारी,सुनारी चौकी प्रभारी चेतन शर्मा, मगरौनी से अभिमन्यु सिंह राजावत, अमोलपठा से अंजली सिंह, थनरा से रामानंद शर्मा सहित पुलिस एवं प्रशासनिक अमले के अनेक अधिकारी उपस्थित रहे। एसडीओपी कार्यालय के रीडर जगदीश सिंह कुशवाह ने भी अपने स्टाफ सहित स्मृति चिन्ह भेंट कर नम आंखों से उन्हें विदाई दी।

समारोह में करेरा के प्रसिद्ध गीतकार घनश्याम योगी ने विशेष विदाई गीत प्रस्तुत कर वातावरण को भावुक बना दिया। वहीं कार्यक्रम का संचालन कर रहे साहित्यकार सतीश श्रीवास्तव ने डॉ. आयुष जाखड़ के कार्यकाल की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी कार्यशैली, संवेदनशीलता एवं जनसेवा के माध्यम से क्षेत्र में एक अलग पहचान बनाई है। उन्होंने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि वे जहां भी रहें, सफलता के नए आयाम स्थापित करें। एसडीओपी प्रशांत शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि डॉ. आयुष जाखड़ से उन्हें बहुत कुछ सीखने का अवसर मिला।

वे हमेशा अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते थे और उनके समाधान के लिए तत्पर रहते थे। नगर निरीक्षक विनोद सिंह छावई ने कहा कि डॉ. जाखड़ के साथ कार्य करना उनके लिए सौभाग्य की बात रही। उन्होंने कहा कि वे एक बेहद संवेदनशील, कर्मठ एवं प्रेरणादायी अधिकारी हैं, जिनसे उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिला। विदाई समारोह में अपने संबोधन के दौरान डॉ. आयुष जाखड़ भावुक नजर आए। उन्होंने कहा कि करेरा और यहां के लोगों को वे कभी नहीं भूल सकते। उन्होंने कहा, "मैं कहीं भी रहूं, करेरा के लोगों से मेरा संबंध हमेशा बना रहेगा। मैं केवल एक फोन कॉल की दूरी पर रहूंगा। क्षेत्र के लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए हमेशा हरसंभव मदद करने का प्रयास करूंगा।"

जनपद सीईओ हेमंत सूत्रकार एवं वन परिक्षेत्र अधिकारी एल.एस. मीणा ने भी डॉ. जाखड़ के कार्यकाल की सराहना करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। समारोह के अंत में पुलिस परिवार द्वारा सामूहिक रूप से स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान किया गया। वहीं पत्रकार संघ करेरा द्वारा शॉल एवं श्रीफल भेंट कर उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस थाना करेरा में पदस्थ उप निरीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान ने भी गीत सुनाकर भावभीनी विदाई दी। उनके गीतों ने भी कार्यक्रम में समा बांध दिया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने डॉ. आयुष जाखड़ के सरल स्वभाव, उत्कृष्ट कार्यशैली एवं जनहितैषी दृष्टिकोण को याद करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी।

किसानों की समस्याओं और मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त होने के विरोध में कांग्रेस का उपवास-धरना

अतुल जैन

तहसील मुख्यालय खनियाधाना पर प्रदर्शन, तहसीलदार निशिकांत जैन को सौंपा सात सूत्रीय ज्ञापन

खनियाधाना। राज्यसभा चुनाव के लिए कांग्रेस प्रत्याशी सुश्री मीनाक्षी नटराजन का नामांकन पत्र निरस्त किए जाने के विरोध में तथा क्षेत्र के किसानों, गरीबों और आम जनता की विभिन्न समस्याओं को लेकर गुरुवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी खनियाधाना एवं बामौरकलां विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने तहसील परिसर खनियाधाना में सामूहिक उपवास एवं धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने भाजपा सरकार पर लोकतांत्रिक परंपराओं की अवहेलना करने तथा प्रशासनिक तंत्र का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। धरना-प्रदर्शन के उपरांत कांग्रेसजनों ने तहसीलदार निशिकांत जैन को मुख्यमंत्री के नाम संबोधित सात सूत्रीय ज्ञापन सौंपते हुए क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं के निराकरण की मांग की। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि प्रदेश में किसानों, गरीबों एवं आम नागरिकों के साथ अन्याय हो रहा है और प्रशासनिक व्यवस्थाएं भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती जा रही हैं।

(पटवारियों पर रिश्वतखोरी के गंभीर आरोप)

ज्ञापन में कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि खनियाधाना क्षेत्र के कई पटवारी सीमांकन, नामांतरण, बंटवारा, फर्द एवं फौती नामांतरण जैसे राजस्व कार्यों के लिए किसानों से रिश्वत की मांग करते हैं। बिना लेन-देन के किसानों के कार्य नहीं किए जाते, जिससे गरीब और जरूरतमंद किसानों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। कांग्रेस ने मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

(निजी व्यक्तियों से कराया जा रहा शासकीय कार्य)

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि तहसील कार्यालयों में निजी व्यक्तियों को बैठाकर शासकीय कार्य कराए जा रहे हैं। ये लोग आम नागरिकों से अवैध वसूली कर उनका आर्थिक शोषण कर रहे हैं। उन्होंने ऐसे व्यक्तियों को तत्काल हटाने तथा पूरे मामले की जांच कराने की मांग की।

(फार्मर आईडी के नाम पर वसूली का आरोप)

ज्ञापन में कहा गया कि किसानों की फार्मर आईडी बनाने की प्रक्रिया में भी भ्रष्टाचार व्याप्त है। आरोप लगाया गया कि पटवारियों द्वारा अपने निजी व्यक्तियों को कार्यालयों में बैठाकर किसानों से पैसे लिए जा रहे हैं। रिश्वत न देने पर किसानों के कार्य लंबित रखे जाते हैं, जिससे गरीब और निर्धन परिवार परेशान हो रहे हैं।

(राशन दुकानों में अनियमितताओं पर उठाए सवाल)

कांग्रेस ने शासकीय उचित मूल्य दुकानों में भी गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाया। ज्ञापन में कहा गया कि कई दुकानों पर हितग्राहियों को निर्धारित मात्रा से दो से तीन किलो तक कम राशन दिया जा रहा है। साथ ही दो माह के अंतराल में केवल एक माह का राशन वितरित किए जाने की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। कांग्रेस ने खाद्य विभाग से जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की।

(कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर झूठे मुकदमे दर्ज करने का आरोप)

धरना स्थल पर कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि थाना बामौरकलां में राजनीतिक दबाव के चलते कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ झूठी एफआईआर दर्ज की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के दबाव में प्रशासन कार्य कर रहा है, जिससे लोकतांत्रिक व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

(भाजपा की सदस्यता लेने के लिए दबाव बनाने का आरोप)

ज्ञापन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को जबरन भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने के लिए दबाव बनाए जाने का भी आरोप लगाया गया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यह लोकतांत्रिक मूल्यों और राजनीतिक स्वतंत्रता के खिलाफ है तथा ऐसे मामलों की निष्पक्ष जांच होना चाहिए।

(ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ रही अवैध शराब की बिक्री)

कांग्रेस ने खनियाधाना क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में अवैध एवं कच्ची-पक्की देशी शराब की बिक्री पर चिंता व्यक्त की। नेताओं का कहना था कि गांवों में खुलेआम शराब का कारोबार हो रहा है, जिससे सामाजिक वातावरण दूषित हो रहा है और युवा पीढ़ी पर भी इसका दुष्प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने प्रशासन से अवैध शराब कारोबार पर तत्काल रोक लगाने की मांग की।

(भूमिहीन परिवारों को मिले पट्टों पर अब तक नहीं हुआ अमल)

ज्ञापन में वर्ष 2000, 2001 एवं 2002 में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के भूमिहीन परिवारों को दिए गए भूमि पट्टों का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पात्र परिवारों को पट्टे तो दे दिए गए, लेकिन आज तक उन पर अमल नहीं हो सका है। इसके कारण कई परिवार अपने अधिकारों से वंचित हैं। कांग्रेस ने पट्टों को तत्काल प्रभाव से अमल में लाने की मांग की।

(मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त करने को बताया लोकतंत्र पर हमला)

धरना-प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि राज्यसभा सदस्य पद के लिए कांग्रेस प्रत्याशी सुश्री मीनाक्षी नटराजन का नामांकन पत्र भाजपा द्वारा षड्यंत्रपूर्वक निरस्त कराया गया है। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक व्यवस्था पर हमला बताते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी इस अन्याय के खिलाफ पूरे प्रदेश में आंदोलन कर रही है। नेताओं ने कहा कि जनता की आवाज को दबाने के प्रयासों का कांग्रेस मजबूती से मुकाबला करेगी।

(मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी)

कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि किसानों, गरीबों और आम नागरिकों की समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो पार्टी चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेगी। उन्होंने प्रशासन से ज्ञापन में शामिल सभी मांगों पर गंभीरता से विचार कर त्वरित कार्रवाई करने की मांग की। धरना-प्रदर्शन एवं ज्ञापन सौंपने के कार्यक्रम में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी खनियाधाना, बामौरकलां विधानसभा क्षेत्र के पदाधिकारी, विभिन्न कांग्रेस प्रकोष्ठों के प्रतिनिधि, किसान एवं बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। आज हमारी प्रदेश कांग्रेस की तरफ से जो विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों द्वारा फॉर्म डाले गए थे, हमारे नटराजन जी का जो फॉर्म कांग्रेस की तरफ से डाला गया था, उसे बिना किसी संवैधानिक कारण के निरस्त कर दिया गया है। हम कह रहे हैं आज हमारे प्रत्याशियों से, जिन्हें लोकसभा और राज्यसभा के लिए भेजा था, उन्हें चुनाव लड़ने तक का अधिकार नहीं रहने दिया। इसके लिए पूरे प्रदेश में आज जिला कांग्रेस की तरफ से और हमारे प्रदेश अध्यक्ष जी, जो भोपाल में चुनाव आयोग के कार्यालय के सामने से जब से ये घटना घटित हुई है और फॉर्म निरस्त किया गया है, वे दिन-रात धरने पर बैठे हैं और भूख हड़ताल पर हैं। वे भूखे-प्यासे आज भी डटे हैं। जब तक प्रशासन नहीं सुनता है, पूरे मध्य प्रदेश में इसी तरह से कांग्रेस पार्टी प्रदर्शन करेगी। अभी तो आज तक का निर्देश है, उसके बाद जो संगठन और प्रदेश से जो आदेश आएगा, उसका पालन किया जाएगा।

(अरविंद लोधी,पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी पिछोर विधानसभा)

राज्यसभा से हमारे कांग्रेस पार्टी से राज्यसभा पद के उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का जो फॉर्म डाला गया था, उसको बीजेपी एवं इलेक्शन कमिटी दोनों ने मिलकर षड्यंत्रपूर्वक जो फॉर्म निरस्त करने की कार्रवाई की जा रही है, जिसके विरोध प्रदर्शन में हम सब कांग्रेस जनों के द्वारा उपवास-धरना प्रदर्शन के रूप में विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। आगे हम लड़ाई जारी रखेंगे और गैरकानूनी काम का विरोध करेंगे और ये भाजपा की और इलेक्शन कमिटी की जो कूटनीति है, इसको जन-जन तक पहुँचाने का काम करेंगे।

(परमाल सिंह यादव, ब्लॉक अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी खनियाधाना)

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बामौर कलां- खनियांधाना के द्वारा मुझे ज्ञापन प्राप्त हुआ है, जिसमें राजस्व विभाग के संबंध में तीन बिंदु हैं—पारदर्शिता के संबंध में, पट्टे के अमल के संबंध में और कुछ पटवारियों को लेकर है। दूसरा, आबकारी विभाग से संबंधित है। तीसरा, खाद्य विभाग से संबंधित है। तो इसके संबंध में जो मेरे क्षेत्राधिकार में हैं, हम उनका समय सीमा में निराकरण करवाएंगे और जो अन्य विभागों के हैं, वहां हम पत्राचार के माध्यम से संबंधित विभाग को ज्ञापन का अवगत कराएंगे।"

(निशिकांत जैन , तहसीलदार खनियांधाना)

खनियाधाना पुलिस का शिकंजा: 3 लाख की चोरी का पर्दाफाश, सोने-चांदी के जेवर बरामद; दो आरोपी जेल भेजे"

अतुल जैन

(अलमारी का ताला तोड़कर की थी चोरी)

(एसडीओपी प्रशांत शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में किया खुलासा)

खनियाधाना। थाना खनियाधाना पुलिस ने चोरी की एक बड़ी वारदात का खुलासा करते हुए चोरी गए करीब 3 लाख रुपए कीमत के सोने-चांदी के जेवरात बरामद कर लिए हैं। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक बाल अपचारी को भी पकड़ा गया है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से जेल वारंट प्राप्त होने के बाद दोनों आरोपियों को उपजेल पिछोर भेज दिया गया। वहीं बाल अपचारी को किशोर न्यायालय शिवपुरी भेजा गया है। चोरी की घटना का खुलासा करते हुए एसडीओपी पिछोर प्रशांत शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी संजीव मुले के निर्देशन में जिले में चोरी, नकबजनी एवं संपत्ति संबंधी अपराधों में प्रभावी कार्रवाई करते हुए चोरी गए मशरूका की बरामदगी एवं आरोपियों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए थे। इन्हीं निर्देशों के पालन में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अनुभाग पिछोर प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन में थाना खनियाधाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चोरी की घटना का सफल खुलासा किया।

(कमरे में घुसकर तोड़ा था अलमारी का ताला)

पुलिस के अनुसार फरियादी अरविंद्र पुत्र श्रीराम लोधी उम्र 28 वर्ष निवासी मजरा रामनगर ग्राम मुहारीकला थाना खनियाधाना ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि दिनांक 23-24 मई 2026 की दरम्यानी रात अज्ञात चोरों ने उसके कमरे में प्रवेश कर अलमारी का ताला तोड़ दिया और उसमें रखे सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर ले गए। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना खनियाधाना में अपराध क्रमांक 186/2026, धारा 305ए एवं 331(4) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

(पूछताछ में खुला चोरी का राज)

घटना की जांच के दौरान पुलिस ने संदिग्ध व्यक्तियों की जानकारी जुटाई। इसी बीच पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम मुहारीकला निवासी यशपाल लोधी चोरी की वारदात में शामिल है। पुलिस ने संदेही यशपाल लोधी को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने चोरी की घटना करना स्वीकार कर लिया। आरोपी ने बताया कि उसने अपने साथी सोनसिंह उर्फ सुल्ली लोधी एवं एक बाल अपचारी के साथ मिलकर दिनांक 23-24 मई 2026 की रात फरियादी अरविंद्र लोधी के कमरे में रखी अलमारी का ताला तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात चोरी किए थे। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने सोनसिंह उर्फ सुल्ली लोधी एवं बाल अपचारी को भी पकड़कर पूछताछ की, जिसमें दोनों ने भी अपराध स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी गया पूरा मशरूका बरामद कर लिया।

(न्यायालय के आदेश पर भेजे गए जेल)

पुलिस ने आरोपी सोनसिंह उर्फ सुल्ली पुत्र देवसिंह लोधी उम्र 29 वर्ष एवं यशपाल पुत्र नाथूराम लोधी उम्र 21 वर्ष, दोनों निवासी ग्राम मुहारीकला थाना खनियाधाना को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय खनियाधाना में पेश किया। न्यायालय से जेल वारंट प्राप्त होने के बाद दोनों आरोपियों को उपजेल पिछोर दाखिल कराया गया। वहीं 16 वर्षीय बाल अपचारी निवासी ग्राम मुहारीकला को किशोर न्यायालय शिवपुरी भेजा गया।

(इनकी रही सराहनीय भूमिका)

चोरी की इस वारदात के खुलासे में थाना प्रभारी निरीक्षक केदार सिंह यादव के नेतृत्व में सहायक उपनिरीक्षक रामसिंह भिलाला, सहायक उपनिरीक्षक हजारीलाल जाटव, प्रधान आरक्षक नरेंद्र सिंह पाल, प्रधान आरक्षक नीतू सिंह, प्रधान आरक्षक हीरा सिंह, आरक्षक अनूप कुमार, आरक्षक हेमसिंह गुर्जर, आरक्षक जयवीर गुर्जर, आरक्षक योगेंद्र सिंह, आरक्षक रवि वाथम, आरक्षक उमेश लोधी, आरक्षक दीपक किरार, आरक्षक अरविंद्र सिंह कौरव एवं महिला आरक्षक हनीराजा चौहान की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आगामी त्यौहार मोहर्रम एवं महाराणा प्रताप जयंती को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित

सलीम हुसैन

पश्चिम मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले में आगामी त्यौहार को लेकर पुलिस प्रशासन द्वारा पुलिस कंट्रोल रूम में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमें समाज के लोगों ने त्योहारों को लेकर प्रशासन एवं पुलिस से कानून व्यवस्था एवं शांति बनाए रखने हेतु त्योहारों पर आयोजन जुलुश को लेकर चर्चा की गई त्योहारों पर शांतिपूर्ण तरीके से सभी समाज जनों की सहमति बनी एवं शांति सहमति की बैठक संपन्न हुई जिसमें अनुविभागीय अधिकारी महेश मंडलोई नगर पालिका सीएमओ मिलन पटेल नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि बिट्टू सिंगार एसडीओपी कमलेश शर्मा नायब तहसीलदार ललित नादले कोतवाली प्रभारी रमेश चंद्र भास्करे एवं विद्युत कंपनी के अधिकारी मुस्लिम एवं हिंदू समाज के अध्यक्ष एवं समाज के माननीय नागरिकों की सहमति बनी।

SDM महेश मंडलोई

नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि बिट्टू सिंगार

36 वर्षों से फरार 10,000 के इनामी आरोपी को थांदला पुलिस ने किया गिरफ्तार

सलीम हुसैन

पुलिस अधीक्षक झाबुआ देवेंद्र पाटीदार द्वारा जिले के समस्त थाना प्रभारियों को स्थाई एवं फरार वारंटियों की गिरफ्तारी हेतु लगातार निर्देशित किया जा रहा है। उक्त निर्देशों के पालन में थाना थांदला पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। फरियादी कश्मेर पिता इलियास भाबर, निवासी रंगपुरा द्वारा दिनांक 11.06.1991 को थाना थांदला में पशु चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। उक्त सूचना पर थाना थांदला में अपराध क्रमांक 138/1991 धारा 379 भादवि के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया था। विवेचना के दौरान आरोपी बदीया उर्फ बद्री पिता मांगलिया पारगी, उम्र 66 वर्ष निवासी तादलादरा थाना मेघनगर का नाम प्रकाश में आया था। आरोपी घटना के बाद से लगातार फरार चल रहा था तथा उसके विरुद्ध न्यायालय से स्थाई वारंट जारी था। आरोपी की गिरफ्तारी पर जिला पुलिस झाबुआ द्वारा 10,000 के इनाम की उद्घोषणा भी की गई थी। थाना थांदला पुलिस द्वारा आरोपी की लगातार तलाश की जा रही थी। इसी क्रम में आरोपी का पता लगाकर उसे गत रात्रि को भील कॉलोनी, हातोद थाना हातोद जिला इंदौर से हिरासत में लिया गया। स्थाई वारंट अत्यधिक पुराना होने के कारण आरोपी के प्रमाणीकरण एवं पहचान की पूर्ण तस्दीक की गई। तत्पश्चात आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

इंदौर रेलवे स्टेशन का होगा कायाकल्प

निर्माण के दौरान यात्रियों को झेलनी पड़ सकती है परेशानी

इंदौर। शहर के मुख्य रेलवे स्टेशन का जल्द ही बड़े स्तर पर पुनर्विकास शुरू होने जा रहा है। करीब 412 करोड़ रुपये की लागत से स्टेशन को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाएगा। परियोजना के तहत मौजूदा स्टेशन भवन को हटाकर जी+7 अत्याधुनिक भवन, मल्टीलेवल पार्किंग, आधुनिक प्रतीक्षालय, एस्केलेटर, लिफ्ट और हाईटेक प्लेटफॉर्म विकसित किए जाएंगे। रेलवे अधिकारियों के अनुसार स्टेशन के पुनर्विकास कार्य के लिए पुराने ढांचे को चरणबद्ध तरीके से हटाया जाएगा।

निर्माण कार्य के दौरान विशेष रूप से बारिश के मौसम में यात्रियों को आवागमन, टिकट व्यवस्था और प्लेटफॉर्म तक पहुंचने में अतिरिक्त परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि रेलवे ने वैकल्पिक व्यवस्थाएं तैयार करने का दावा किया है ताकि यात्रियों को न्यूनतम असुविधा हो। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित किए जा रहे इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य इंदौर रेलवे स्टेशन को विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस करना है। परियोजना पूरी होने के बाद यात्रियों को बेहतर यातायात प्रबंधन, पार्किंग सुविधा और आधुनिक यात्रा अनुभव मिलेगा। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि निर्माण कार्य के दौरान स्टेशन पर निर्धारित समय से पहले पहुंचें और रेलवे द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। परियोजना पूरी होने के बाद इंदौर रेलवे स्टेशन मध्य भारत के सबसे आधुनिक रेलवे स्टेशनों में शामिल हो जाएगा।

जेफ्री एप्स्टीन पर बिल गेट्स का बड़ा आरोप

निजी रिश्तों को लेकर बनाया दबाव, सामने आया चौंकाने वाला दावा

वॉशिंगटन। माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक ने दिवंगत फाइनेंसर को लेकर एक सनसनीखेज दावा किया है। गेट्स ने कहा कि एप्स्टीन ने उनके निजी जीवन और कथित विवाहेतर संबंधों से जुड़ी जानकारी का इस्तेमाल कर उन पर दबाव बनाने की कोशिश की थी। एक साक्षात्कार में गेट्स ने संकेत दिया कि एप्स्टीन के साथ उनकी मुलाकातें बाद में उनके लिए परेशानी का कारण बनीं। उन्होंने स्वीकार किया कि एप्स्टीन के साथ संपर्क बनाए रखना एक बड़ी भूल थी और इसका उन्हें व्यक्तिगत तथा सार्वजनिक रूप से नुकसान उठाना पड़ा।

गेट्स के इस खुलासे ने एक बार फिर एप्स्टीन से जुड़े विवादों को चर्चा में ला दिया है। एप्स्टीन का नाम वर्षों से कई प्रभावशाली हस्तियों, कारोबारी नेताओं और राजनीतिक व्यक्तियों के साथ जुड़ता रहा है। उनके खिलाफ नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण और मानव तस्करी से जुड़े गंभीर आरोप लगे थे। विशेषज्ञों का मानना है कि गेट्स के बयान से उन परिस्थितियों पर नई बहस शुरू हो सकती है, जिनमें प्रभावशाली व्यक्तियों के निजी जीवन की जानकारी का उपयोग कथित तौर पर दबाव या प्रभाव बनाने के लिए किया जाता है।

हालांकि, गेट्स के दावों पर एप्स्टीन पक्ष की ओर से कोई प्रतिक्रिया संभव नहीं है, क्योंकि 2019 में हिरासत के दौरान एप्स्टीन की मृत्यु हो चुकी है। गेट्स का यह बयान ऐसे समय सामने आया है जब एप्स्टीन से जुड़े पुराने संबंधों और संपर्कों को लेकर दुनिया भर में फिर से चर्चा तेज हो गई है।

मध्य प्रदेश में बड़ा बदलाव

रातभर खुल सकेंगे थिएटर-रेस्टोरेंट, कर्मचारी खुद चुनेंगे साप्ताहिक अवकाश

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार राज्य के श्रम कानूनों में व्यापक बदलाव की तैयारी कर रही है। प्रस्तावित नए प्रावधानों के तहत अब रेलवे स्टेशन के बाहर स्थित रेस्टोरेंट, होटल, थिएटर और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर समय सीमा की बाध्यता समाप्त हो सकती है, जिससे वे 24 घंटे संचालित किए जा सकेंगे। इसके साथ ही कर्मचारियों को अपनी साप्ताहिक छुट्टी चुनने की सुविधा भी मिलेगी। नए कानून का उद्देश्य बदलती आर्थिक जरूरतों, शहरी जीवनशैली और व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा देना बताया जा रहा है। सरकार का मानना है कि इससे रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और सेवा क्षेत्र को मजबूती मिलेगी।

प्रस्तावित व्यवस्था के अनुसार, दुकानों और प्रतिष्ठानों के संचालन समय को लेकर मौजूद कई प्रतिबंधों में ढील दी जाएगी। वहीं कर्मचारियों को नियोक्ता के साथ समन्वय कर अपनी साप्ताहिक छुट्टी तय करने का विकल्प मिलेगा। इससे विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले कर्मचारियों को अधिक लचीलापन प्राप्त होगा। सरकार का दावा है कि नए प्रावधानों से व्यापारिक गतिविधियों को गति मिलेगी, जबकि श्रमिकों के अधिकारों और सुरक्षा से जुड़े नियम यथावत बनाए रखे जाएंगे। श्रम विभाग द्वारा तैयार किए जा रहे मसौदे पर विभिन्न हितधारकों से सुझाव भी लिए जा रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि 24 घंटे खुलने वाले प्रतिष्ठानों से पर्यटन, आतिथ्य और सेवा क्षेत्र को लाभ होगा, जबकि कर्मचारियों को अपनी सुविधा के अनुसार अवकाश चुनने की व्यवस्था कार्यस्थल पर संतुलन बनाने में मददगार साबित हो सकती है। यदि यह प्रस्ताव लागू होता है, तो मध्य प्रदेश उन राज्यों में शामिल हो जाएगा जहां व्यापारिक प्रतिष्ठानों को संचालन के समय में अधिक स्वतंत्रता प्राप्त है।

मीनाक्षी की याचिका पर फैसला टला
भाजपा के तीनों उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित

भोपाल/नई दिल्ली।

मध्य प्रदेश राज्यसभा चुनाव में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन की उम्मीदवारी रद्द होने के बाद भाजपा के तीनों उम्मीदवार तरुण चुग, रणजीत अग्रवाल और महेंद्र केवट निर्विरोध राज्यसभा सदस्य निर्वाचित घोषित कर दिए गए हैं।

रिटर्निंग ऑफिसर ने तीनों को निर्वाचन प्रमाण पत्र भी सौंप दिया उधर, अपना नामांकन रद्द किए जाने के खिलाफ मीनाक्षी नटराजन ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। गुरुवार को मामले की सुनवाई के दौरान उन्हें तत्काल राहत नहीं मिली। सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई के लिए 12 जून की तारीख तय करते हुए कहा कि मामले पर शुक्रवार को विस्तार से विचार किया जाएगा।

कांग्रेस की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने अदालत से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। उनका तर्क था कि चुनाव प्रक्रिया पूरी होने से पहले न्यायिक हस्तक्षेप आवश्यक है। हालांकि, शीर्ष अदालत ने फिलहाल कोई अंतरिम आदेश जारी नहीं किया। मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त होने के बाद राज्य की तीनों राज्यसभा सीटों पर मुकाबला समाप्त हो गया और भाजपा के सभी उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हो गए। इस घटनाक्रम ने प्रदेश की राजनीति में नया विवाद खड़ा कर दिया है। कांग्रेस इसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सवाल बता रही है, जबकि भाजपा का कहना है कि पूरी कार्रवाई चुनावी नियमों के तहत हुई है। अब सभी की निगाहें सुप्रीम कोर्ट की अगली सुनवाई पर टिकी हैं, क्योंकि अदालत की टिप्पणी भविष्य में इस पूरे विवाद की दिशा तय कर सकती है।

कार्यालय तहसीलदार (भू.अ.) फलपूण्ड जिला- जैमलमेर

क्रमांक/भू-अ/2026/36 दिनांक 11/06/2026

-: आपत्तिया जाहिर करने हेतु इश्तहारी नोटिस:-

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है, कि राजस्व ग्राम मेहरानगढ़ पटवार मण्डल-राजमथाई तहमील-फलसुण्ड के खसरा नम्बर 533 रकबा 11.8087 हैक्टर भूमि में हिस्सा 1/10, खसरा नम्बर 533/2073 रकबा 00.1133 हैक्टर भूमि सम्पूर्ण किता-2 कुल रकबा 11.9220 हेक्टर एवं राजस्व ग्राम जोगराजगढ़ पटवार मण्डल-राजमथाई तहमील-फलसुण्ड के खसरा नम्बर 390 रकबा 0.0405 हैक्टर भूमि में हिस्सा 1/5, खसरा नम्बर 389 रकबा 1.0360 हैक्टर भूमि में हिस्सा 1/5, खसरा नम्बर 152 रकबा 21.1893 हैक्टर भूमि में हिस्सा 1/5, खसरा नम्बर 187 रकबा 10.3437 हैक्टर भूमि में हिस्सा 1/12, खसरा नम्बर 189/2536 रकबा 2.1205 हैक्टर भूमि में हिस्सा1/2, खसरा नम्बर 190/2538 रकबा 7.2520 हैक्टर भूमि में हिस्सा सम्पूर्ण, खसरा नम्बर 192/1 रकबा 16.1874 हैक्टर भूमि में हिस्सा 1/4, खसरा नम्बर 158 रकबा 19.2468 हैक्टर भूमि में हिस्सा 1/30, खसरा नम्बर 192 रकबा 9.8905 हैक्टर भूमि में हिस्सा 1/4, खसरा नम्बर 190/2537 रकबा 5.1395 हैक्टर भूमि में हिस्सा 1/2 श्री जेतमालसिंह पुत्र रेंवतसिंह जाति राजपूत निवामी जोगराजगढ़ तहसील-फलसुण्ड के नाम दर्ज होना बताकर श्री प्रेमसिंह, उम्मेदसिंह पिता जेतमालसिंह जाति राजपूत निवामी जोगराजगढ़ तहसील- फलसुण्ड द्वारा एक पंजीकृत वसीयतनामा दिनांक 11/10/25 को पेश कर इस वसीयत के आधार पर श्री जेतमालसिंह पुत्र रेंवतसिंह जाति राजपूत निवामी जोगराजगढ़ की मृत्यु 21/10/2021 को होने से श्री प्रेमसिंह, उम्मेदसिंह पिता जेतमालसिंह जाति राजपूत निवामी जोगराजगढ़ के पक्ष में नामान्तरकरण की कार्यवाही हेतु निवेदन किया है।

अतः सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि यदि किसी भी व्यक्ति को इस वसीयत के आधार पर नामान्तरकरण दर्ज करने में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो, अथवा इस वसीयत के अलावा अन्य कोई भी वसीयत हो, तो इस नोटिस के प्रकाशन के 07 दिन के भीतर व्यक्तिगत रूप से तहसीलदार फलसुण्ड के समक्ष उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता है। 07 दिन के पश्चात किसी प्रकार का उजर-एतराज था आपत्ति प्रस्तुत नहीं होने पर श्री प्रेमसिंह, उम्मेदसिंह पिता जेतमालसिंह जाति राजपूत निवामी जोगराजगढ़ तहसील-फलसुण्ड के पक्ष में नामान्तरकरण की कार्यवाही कर दी जायेगी।

तहसीलदार (भू.अ.)
फलसूण्ड जिला-जैसलमेर